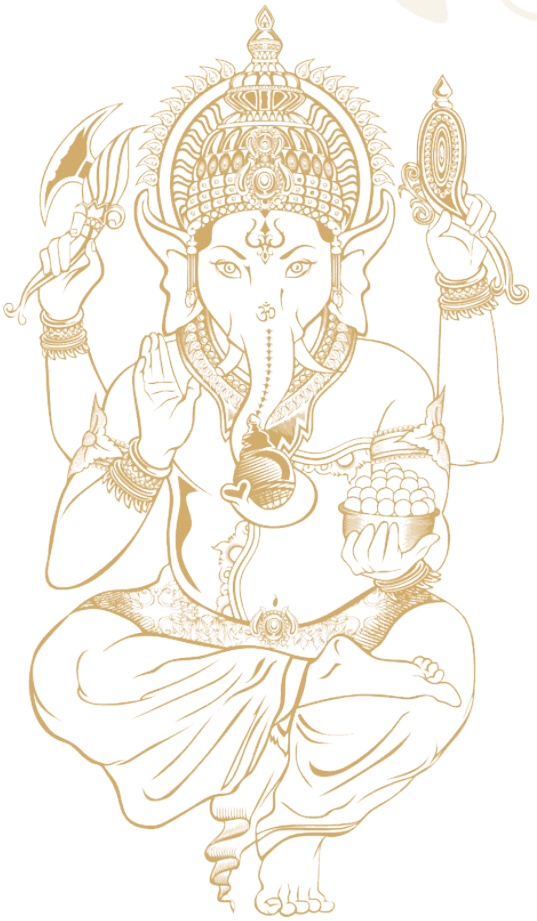

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120683004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/12/2025	जन्म तिथि	23/12/2025
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 22:09:00	जन्म समय	22:09:00 घंटे
घटी 37:25:08	जन्म समय(घटी)	37:25:08 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:56	सूर्योदय	07:10:56
17:29:49	सूर्यास्त	17:29:49
24:13:17	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 6मा 8दि	08:59:56	सिंह	लग्न	सिंह	08:59:56	चन्द्र 3वर्ष 6मा 8दि
चन्द्र	07:53:03	धनु	सूर्य	धनु	07:53:03	चन्द्र
23/12/2025	18:38:03	मक	चंद्र	मक	18:38:03	23/12/2025
03/07/2029	12:07:30	धनु	मंगल	धनु	12:07:30	03/07/2029
00/00/0000	21:58:51	वृश्चि	बुध	वृश्चि	21:58:51	00/00/0000
00/00/0000	28:10:50	मिथु व	गुरु व	मिथु	28:10:50	00/00/0000
00/00/0000	04:31:53	धनु	शुक्र	धनु	04:31:53	00/00/0000
00/00/0000	01:31:00	मीन	शनि	मीन	01:31:00	00/00/0000
23/12/2025	17:06:19	कुंभ व	राहु व	कुंभ	17:06:19	23/12/2025
बुध 02/10/2026	17:06:19	सिंह व	केतु व	सिंह	17:06:19	बुध 02/10/2026
केतु 03/05/2027	03:58:41	वृष व	हर्ष व	वृष	03:58:41	केतु 03/05/2027
शुक्र 01/01/2029	05:12:07	मीन	नेप	मीन	05:12:07	शुक्र 01/01/2029
सूर्य 03/07/2029	08:15:13	मक	प्लूटो	मक	08:15:13	सूर्य 03/07/2029

लग्न-चलित

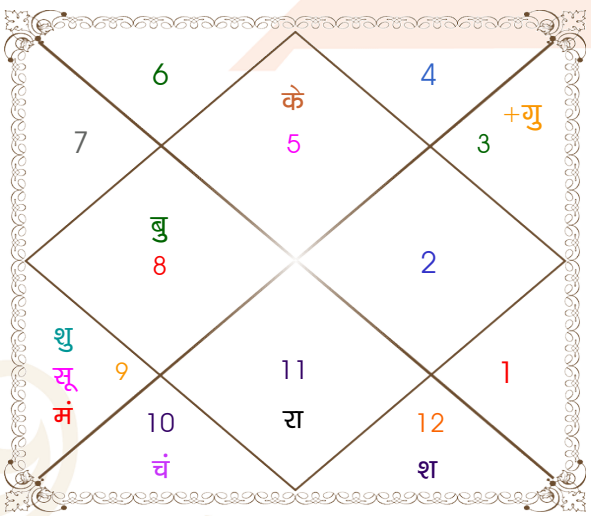

लग्न-चलित

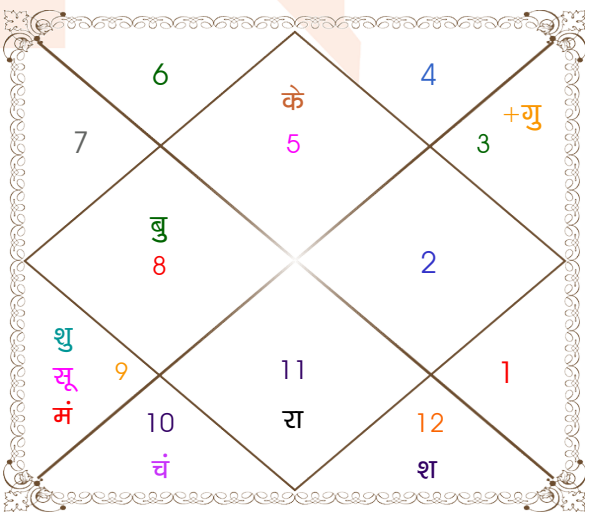

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र श्रवण है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।